## ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 22-12-2020**

**उधम सिंह नगर(उत्तराखंड ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2020-12-22 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2020-12-23 | 2020-12-24 | 2020-12-25 | 2020-12-26 | 2020-12-27 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 21.0 | 21.0 | 20.0 | 20.0 | 20.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 4.0 | 5.0 | 5.0 | 5.0 | 4.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 85 | 85 | 80 | 85 | 90 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 45 | 40 | 40 | 45 | 50 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 6.0 | 6.0 | 6.0 | 8.0 | 8.0 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 330 | 320 | 320 | 320 | 320 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 |

**मौसम सारांश / चेतावनी:**

विगत सात दिनों (15 – 21 दिसम्बर , 2020) में 0.0 मिमी वर्षा होने व आसमान बादलों सेआंशिक से पूर्णतः आच्छादित रहा। अधिकतम तापमान 10.5 से 19.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 2.9 से 6.8 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 90 से 95 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 43 से 77 प्रतिशत एवं हवा 1.0 से 9.8 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-उत्तर-पश्चिम से चली। आगामी पांच दिनो

| |
|---|
| में वर्षा की कोई सम्भावना नही है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 20.0 से 21.0 व 4.0 से 5.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा। |

## सामान्य सलाहकार:

| |
|---|
| कोविड 19 को फैलने से रोकने हेतु, कृषि कार्य के दौरान भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का पालन करें। आगामी दिनो में वर्षा की सम्भावना नहीं है। बदलते मौसम में फसलों में कीट व रोगो के प्रकोप की सम्भावना बड़ जाती है अतः किसान भाई फसलों की नियमित निगरानी करते रहे व आवश्यकतानुसार संस्तुत रसायनों का प्रयोग करें। |

## लघु संदेश सलाहकार:

| |
|---|
| आगामी पांच दिनों मे वर्षा की कोई सम्भावना नही है। |

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| जौ | जौं की पछेती दशा में बुवाई हेतु संस्तुत किस्में- ज्योति, प्रीति, मंजुला, जागृति का चुनाव करें। प्रति हैक्टेयर 100-110 कि0ग्रा0 बीज का उपयोग करें। 18-20 से0मी0 के कतारों में बुवाई करें। बुवाई दिसम्बर के दूसरे पखवाड़े तक अवश्य पूरा कर लें। |
| गेहूँ | गेहूँ में खरपतवार नियंत्रण हेतु दो निराई-गुड़ाई पर्याप्त होता है। पहली निराई-गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन बाद तथा दूसरी बुवाई के 45-50 दिन बाद करें। इससे खरपतवार तो नियंत्रण होता ही हैं साथ ही भूमि में समुचित हवा के संचार होने से कल्ले अधिक निकलते है। चैड़ी पत्ति एवं घास वर्ग के खरपतवार के नियंत्रण हेतु वेस्टा की 400 ग्रा0 मात्रा का 700 ली0 पानी मे घोल बनाकर 1 हेक्टेयर में बुवाई के 30-35 दिन बाद छिड़काव करे। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | आलू की पछेती झुलसा रोग मौसम पर पूर्णतया निर्भर है। अतः आगामी कुछ दिनों में आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रकोप की संभावना व्यक्त की जाती है। आलू उत्पादक किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि यदि आलू के खेत में पछेती झुलसा रोग का प्रकोप नहीं है, उस स्थिति में सुरक्षात्मक छिड़काव के रूप में पछेती झुलसा से बचाव हेतु मैन्कोजेब 72 प्रतिशत धुलनशील चूर्ण का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर अतिशीघ्र छिड़काव करें। यदि खेत में आलू के पछेती झुलसा रोग के शुरूवाती लक्षण प्रकट हो चुके हैं, उस स्थिति में साइमोक्जेनिल + मैन्कोजेब अथवा डाइमिथोमार्फ + मैन्कोजेब अथवा फैनामिडान + मैन्कोजेब में से किसी एक सम्मिश्रण फफूदनाशी का 3.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। |
| आम | गुजिया कीट को पेड़ पर चढ़ने से रोकने के लिए इस माह के अंतिम सप्ताह में पेड़ के तने पर चारों ओर भूमि से लगभग 40से0मी0 ऊपर मिट्टी की पतली परत चढ़ाकर 400 गेज की मोटी पॉलीथीन की 25 से0मी0 चैड़ी पट्टी लपेट कर उसके दोनों तरफ सुतली से बाँधना चाहिए। साथ ही नीचे के भाग में ग्रीस का लेप लगा लेना चाहिए। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाहः

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| भेंस | इस बदलते मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को धान की कन्नी आहार के रूप में दें। जिससें उन्हें उर्जा और गर्मी मिलती है। |